झाँसी : उप-निरीक्षक पद के लिए चयनित अभ्यर्थियों के साथ पुलिस अधिकारी। ▸▸ जागरण

वर्दी मुश्किल से मिलती है, अपने कर्तव्यों का निर्वाहन ईमानदारी से करें : डीआइजी

सब इन्स्पेक्टर का नियुक्ति पत्र पाकर खिले अभ्यार्थियों के चेहरे

कार्यक्रम को पीएम, सीएम, एसीएम ने वर्चुअल सम्बोधित किया

झाँसी : कड़ी मेहनत और लगन के बाद जब परिणाम की बारी आयी तो हर चेहरे पर एक अलग ही उत्साह था। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने सब-इन्स्पेक्टर के लिए नियुक्त अभ्यार्थियों को बधाई दी, और देशसेवा का भाव जगाया। पुलिस उप महानिरीक्षक जोगेन्द्र कुमार ने रेंज के 518 उप-निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र देते हुए कहा कि सभी जनसेवा के लिए पुलिस विभाग में आए हैं। यह वर्दी बड़ी मुश्किल से मिलती है। इसलिए अपने कर्तव्यों व दायित्वों का निर्वाहन ईमानदारी से करें।

उत्तर प्रदेश में 9055 उप-निरीक्षक नियुक्ति हुए हैं। मुख्य कार्यक्रम लखनऊ में हुआ। यहाँ मुख्यमन्त्री योगी आदित्यनाथ ने अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। कार्यक्रम में झाँसी समेत 18 रेंज के पुलिस अधिकारी और चयनित अभ्यर्थी वर्चुअल जुड़े। प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो के माध्यम से सन्देश दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश एस., पुलिस अधीक्षक (नगर) ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह, मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजकिशोर राय समेत सभी पुलिस क्षेत्राधिकारी उपस्थित रहे।

खुशी से झूम उठे अभ्यर्थी

● झाँसी के शिवम नामदेव ने बताया कि उनके पिता घनश्याम नामदेव मण्डी समिति में निरीक्षक हैं। वह एसएससी की तैयारी कर रहे थे। देश की सेवा का भाव बचपन से था। इसी बीच में पुलिस विभाग के उप-निरीक्षक के पद पर भर्ती निकली, जिसका आवेदन कर दिया। बचपन का सपना आज पूरा हो गया, जिससे वह बेहद खुश हैं।

झाँसी : महिला अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र देते डीआइजी। पास में खड़े हैं एसएसपी व एएसपी (नगर)।

● जालौन के राजवेन्द्र सिंह ने बताया कि उप-निरीक्षक की परीक्षा का फॉर्म भरने के बाद कोराना काल आ गया था। इस परीक्षा में आइपीसी, सीआरपीसी के साथ सम्विधान आदि के प्रश्न अधिक आते हैं। कोराना काल में घर के अन्दर इसकी खूब पढ़ाई की और परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। इसके बाद फिजिकल टेस्ट पास करने के लिए रोज सुबह-शाम दौड़ लगाकर प्रैक्टिस की। कड़ी मेहनत और लगन का आज परिणाम आ गया।

● झाँसी के ही कपिल द्विवेदी बताते हैं उन्होंने बीटेक किया है। पिता पुलिस विभाग में उप-निरीक्षक हैं। इससे पहले से ही उनका फोर्स में सेवा करने का मन था। आवेदन के बाद पढ़ाई को मौका मिला और खूब लगन से पढ़ाई की और फिर फिजिकल टेस्ट पास करने के लिए दौड़ लगायी। आज वह बहुत खुश हैं कि उनकी मेहनत रंग लायी और उनको पिता की भाँति देश की सेवा करने का मौका मिल गया।

● मऊरानीपुर की तहसीन बानो के परिवार का कोई भी व्यक्ति फोर्स में नहीं है। उनका बचपन से ही फोर्स में जाने का सपना था। बीएससी करने के बाद उन्होंने सब इन्स्पेक्टर के पद के लिए आवेदन किया। लिखित परीक्षा उत्तीर्ण होने के बाद उनके सामने फिजिकल परीक्षा पास करने का एक बड़ा चैलेंज था। उन्होंने दमेले कॉलिज के मैदान में दौड़ लगाने का अभ्यास शुरू किया और फिजिकल की परीक्षा को भी पास कर लिया। आज उनका सपना साकार हो गया।

● मऊरानीपुर की रितु वर्मा ने बताया कि उन्होंने बीएससी, एमएससी, बीटीसी की है। वह एसएससी की तैयार रही थीं, लेकिन जब उप-निरीक्षक की भर्ती निकली तो उन्होंने पुलिस महकमें में शामिल होकर जनसेवा करने की ठान ली। लिखित परीक्षा पास करने के बाद फिजिकल परीक्षा पास करने के लिए उन्होंने खूब पसीना बहाया। गर्मियों के दिनों में रोज सुबह शाम दमेले ग्राउण्ड में जाकर दौड़ लगाती थी और उनको आम कामयाबी मिल गयी।

अगले माह से शुरू होगी ट्रेनिंग

डीआइजी जोगेन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस उप-निरीक्षक के पद पर 499 के साथ अग्निशमन के द्वितीय अधिकारी व पीएसी के प्लाटून कमाण्डर के पद समेत 518 अभ्यर्थी झाँसी, ललितपुर, जालौन और मध्य प्रदेश के कई जिलों में नियुक्त हुए हैं। इनकी ट्रेनिंग अगले माह में शुरू हो जाएगी। इस दौरान अभ्यर्थियों ने डीआइजी के साथ खूब सेल्फी ली।